25 वां वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

Empowering Communities : Enriching Lives

Srishti Seva Sansthan
सृष्टि सेवा संस्थान

Building Sustainable Futures in Uttar Pradesh

सृष्टि सेवा संस्थान

सिनेमा रोड , हनुमानगढ़ी, महाराजगंज
पोस्ट एवं जनपद-महाराजगंज (उ०प्र०)-273303
ई-मेल : srishtiseva@gmail.com
वेब साईट : www.srishti-india.org

निदेशक की कलम से

सृष्टि सेवा संस्थान की शुरुआत वर्ष 2000 में इस विचारधारा को लेकर की गयी थी, कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं तक आम लोगों की पहुँच को सुनिश्चित कराया जा सके। उस समय में समुदाय की इस प्रकार थी कि, जो पात्र थे उनको योजनायें प्राप्त नहीं हो रही थी, और जो योजनाओं को प्राप्त कर रहे थे, वे वास्तव में पात्र नहीं थे, कारण बिलकुल साफ़ था लोगों में जागरूकता का अभाव था।उक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए पंचायती राज की आत्मा ग्राम सभा के कोरम को पूरा करने के उद्देश्य से जन संगठन को तैयार करने का काम इस उद्देश्य के साथ किया गया की सरकार द्वारा संचालित समस्त योजनायें पात्र लोगों तक ग्राम सभा की मदद से पहुँच सके तथा लोक-केन्द्रित स्थाई विकास का सपना पूरा हो सके।

वर्ष 2025 में सृष्टि सेवा संस्थान का 25 वर्ष पूरा हो रहा है। संस्थान समाज के विकास की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। सृष्टि सेवा संस्थान द्वारा सामाजिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों विशेषकर महिलाओं, किशोरियों, युवा तथा समाज में हाशिये पर रहने वाले वंचित समुदाय को सशक्त बनाना है। इस वर्ष के दौरान संस्थान ने महिलाओं के साथ उनके जलवायु परिवर्तन आधारित अभ्यास के माध्यम से आजीविका विकास, संवैधानिक मूल्य, जेंडर समानता और एच आई वी / एड्स रोकथाम पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है।

सृष्टि सेवा संस्थान द्वारा सामाजिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं, युवा और किशोरियों को सशक्त बनाना है। संस्थान ने महिलाओं को संगठित करने और उनके क्षमतावर्धन के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है, जिससे वे अपने हक और अधिकारों को प्राप्त कर सकें। महिलाओं, किशोरियों तथा युवाओं के संगठन के माध्यम से संस्थान ने महिलाओं, युवाओं और किशोरियों को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की हैं। इसके अलावा संस्थान ने महिला किसानों के साथ कृषि विकास के क्षेत्र में भी कार्य किया है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। संस्थान का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाना और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है, इस दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं ।हम संस्थान को सहयोग करने वाले सभी दाता संस्थानों, हितभागियों, मीडिया, और सामाजिक कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

(सुनील कुमार पाण्डेय)
सचिव/निदेशक

सृष्टि सेवा संस्थान: एक परिचय

संस्था की उत्पत्ति:- सृष्टि सेवा संस्थान समान सोच, समान विचार धारा एवं समान उम्र के सनमनाओं द्वारा गठित नागर सामाज संगठन है। संगठन उत्तर प्रदेश के जनपद महराजगंज मुख्यालय पर स्थित है, जो नेपाल राष्ट्र का सीमापवर्ती जनपद है। संगठन एक छोटे समूह के रूप में लघु-सीमान्त वर्ग के हक और अधिकार को लेकर गठित हुआ, जिसका उद्देश्य समाज में असमानता व गैर बराबरी को दूर करते हुए जीने का अधिकार दिलाना रहा है। संगठन का वैधानिक पंजीकरण सोसाइटी रजिस्ट्रेषन एक्ट-1860 अधिनियम संख्या-21 के अन्तर्गत हुआ है। संगठन आयकर अधिनियम 1961 के तहत 12 ए की वैधानिकता पूर्ण कर चुका है तथा विदेशी विनिमय अनुदान अधिनियम 1976 के अन्तर्गत पंजीकृत है।

विजन:- लोक-केन्द्रित, स्थाई-विकास

मिशन:- जन सहभागिता के आधार पर ऐसे वातावरण का सृजन करना कि लोग अपने हक अधिकार कर्तव्य को जानकर स्वयमेव आगे आकर विकास की धारा से जुड़ सकें।

आदर्श :- पारदर्शिता, जवाबदेही,आचरण की शुद्धता,समय पालन।

लक्ष्य समूह:-महिलायें,बच्चे एवं किसान ।

मुद्दे:- महिला सशक्तिकरण,जलवायु आधारित आजीविका, युवा विकास एवं स्वास्थ्य ।

कार्यनीति:- संगठन निर्माण,नेतृत्त्व विकास, शोध, प्रशिक्षण व प्रचार-प्रसार

भावी दृष्टिकोण:-

- ❖ संस्था की पहचान समुदाय को सशक्त बनाने वाले संगठन के रूप में होगा।
- ❖ संस्था की पहचान पंचायती राज/अभिशासन के प्रबल समर्थक के रूप में होगा।
- ❖ लोगों का ऐसा प्रबल नेटवर्क विकसित होगा जो लोक-केन्द्रित स्थाई विकास को स्थापित करने में सहायक होगा ।
- ❖ लोक-केन्द्रित मुद्दों पर प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में स्थापित होगा।

मुख्य उद्देश्य:-

- ❖ लोगों का संगठनात्मक विकास कर उन्हें उनके हक अधिकार व कर्तव्य के प्रति जागरूक करना।
- ❖ नगरीय एवं ग्रामीण निकाय को अभिशासन के प्रति जागरूक कर आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रयास करना।
- ❖ ग्रामीण एवं नगरीय निकाय के वंचित लोगों को शिक्षित एवं प्रशिक्षित कर उन्हें स्वास्थ्य
- ❖ शिक्षा, स्वच्छता, आजीविका एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक एवं जवाबदेह बनाना।
- ❖ अन्य विकासीय मुद्दों जैसे महिला एवं बाल अधिकार कृषि, आपदा प्रबन्धन, प्राथमिक शिक्षा तथा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक कर सामाजिक न्याय दिलाना।

वर्तमान प्रयास:-

- ❖ महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम
- ❖ स्थाई कृषि एवं आजीविका कार्यक्रम
- ❖ एच0आई0वी0/एड्स रोकथाम कार्यक्रम
- ❖ बाल संरक्षण कार्यक्रम
- ❖ किशोरी एवं किशोरों के माध्यम से जीवन कौशल विकास

प्रगति-विवरण

वर्ष 2024-25 के अंतर्गत संस्थान द्वारा सामाजिक विकास के क्षेत्र में जो प्रयास किया गया उसका विवरण निम्नवत है :-

1- महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम
2- जलवायु परिवर्तन पर आधारित कार्यक्रम
3- एच आई वी / एड्स रोकथाम कार्यक्रम
4- किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम
5- युवा विकास कार्यक्रम
6- संस्थागत विकास व अन्य कार्यक्रम

1- महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम:- संस्थान के उद्देश्यों की प्राप्ति को लेकर महिला सशक्तिकरण पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संस्थान द्वारा गठित नारी संघ की बैठक के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया.वहीं नारी संघ के माध्यम से कुल 10 पशु सखियों को आजीविका आधारित प्रशिक्षण प्रदान कर बकरी पालन व देख रेख की दिशा में आत्म निर्भर बनाने का कार्य भी किया गया, इस गतिविधि में द गोट ट्रस्ट लखनऊ का योगदान सराहनीय रहा.पशु सखी के रूप प्रशिक्षित महिलाओं का विवरण इस प्रकार है :-

क्र.	पशु सखी का नाम	ग्राम पंचायत
1-	जुबैदा खातून	मुडिला
2-	निशा	खुटहा
3-	शीला	नेता सुरहुरवा
4-	शकुंतला	नेता सुरहुरवा
5-	सुमित्रा	सरडीहा
6-	सुनीता	सरडीहा
7-	सुशीला	अहमदपुर
8-	मालती	अहमदपुर
9-	मृणालिनी	खेम पिपरा
10-	विंध्यवासिनी	करमहा

2- जलवायु परिवर्तन पर आधारित कार्यक्रम :-जलवायु परिवर्तन के मुद्दें पर संस्थान द्वारा मुख्य रूप से दो तरीकों से कार्य किया गया,पहला – कृषिगत अभ्यास पर आधारित तथा दूसरा एथेनाल पर आधारित कुकिंग स्टोव के माध्यम से लोगों को खाना पकाने का विकल्प देना, इन कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है -

2-1 कृषिगत अभ्यास पर आधारित: यह कार्यक्रम सदर विकास खंड के 05 ग्राम पंचायतों में संस्थान द्वारा गठित किसान समूह के साथ मिलकर स्वेच्छा से किया गया। संस्थान द्वारा वर्ष 2024-25 के दौरान महिला किसानों के साथ मिलकर विभिन्न गतिविधियों यथा मासिक बैठक, जलवायु आधारित कृषिगत अभ्यास, गोबर गैस की स्थापना, के साथ स्कूल के बच्चों के साथ जलवायु परिवर्तन

विषय पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, साथ ही साथ सरकारी विभागों जैसे उद्यान तथा कृषि विभाग के सहयोग से निःशुल्क बीज का वितरण , कैरेट का वितरण, ड्रिप व स्प्रिंकलर का प्रोत्साहन किया गया. इन गतिविधियों तथा परिणाम का विवरण इस प्रकार है:-

क्र.	विवरण	परिणाम
1-	महिला किसान समूह के साथ बैठकों का आयोजन	❖ 60 महिला किसान समूहों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया, जिससे उनकी भागीदारी और सशक्तिकरण में वृद्धि हुई। ❖ 12 स्कूलों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया, जिससे युवाओं में जागरूकता और शिक्षा को बढ़ावा मिला। ❖ 200 युवाओं के साथ जलवायु परिवर्तन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिससे उन्हें इस महत्वपूर्ण मुद्दे के प्रति संवेदनशील बनाया गया। ❖ 18 किसानों ने श्री विधि से धान की खेती की और 34 किसानों ने जलवायु जुझारूपन पर आधारित कृषिगत अभ्यास किया, जिससे उनकी कृषि उत्पादकता और आजीविका में सुधार हुआ। ❖ 05 ग्राम पंचायतों में 123 किसानों ने प्याज की खेती बेड पर की, जिससे उनकी फसल की उत्पादकता और गुणवत्ता में वृद्धि हुई। ❖ 26 किसानों ने धान और गेहूं में मशीन द्वारा लाइन सोविंग कराया, जिससे उनकी कृषि कार्य में दक्षता और समय की बचत हुई। ❖ 10 बायो डाइजेस्टर की स्थापना कराई गई, जिससे किसानों को जैविक खाद और ऊर्जा के नए स्रोतों का उपयोग करने में मदद मिली।
2-	महिला किसान समूह तथा अन्य हितभागियों के साथ जलवायु परिवर्तन पर आधारित खेल का आयोजन	
3-	स्कूल के बच्चों तथा युवाओं के साथ जलवायु परिवर्तन को लेकर संवेदीकरण	
4-	जलवायु जुझारूपन पर आधारित कृषिगत अभ्यास को प्रोत्साहन	
5-	बायो डाइजेस्टर की स्थापना	

2-2 एथेनाल पर आधारित भोजन पकाने के स्टोव का प्रोत्साहन:- इस कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद गोरखपुर व प्रयागराज के दो विकासखंडों में 1000 परिवारों के चिन्हांकन हेतु सर्वेक्षण का कार्य किया गया ।इस कार्यक्रम के अंतर्गत US ग्रेन काउंसिल और सृष्टि सेवा संस्थान ने उत्तर प्रदेश में वंचित समुदायों के बीच स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक परियोजना शुरू की है। इस परियोजना का उद्देश्य एथनॉल कुकिंग फ्यूल के बारे में जागरूकता बढ़ाना, इसका उपयोग करना और इसे अपनाना है, जिससे स्वास्थ्य में सुधार हो, महिलाओं के कार्यभार में कमी आए और आजीविका और शिक्षा के बेहतर अवसर प्रदान किए जा सकें। परियोजना के पहले चरण में, टीम ने प्रयागराज और गोरखपुर में घरेलू स्तर पर सर्वेक्षण किया और हस्तक्षेप करने वाले घरों की पहचान की। सर्वेक्षण में उपयोगकर्ता की धारणा, व्यक्तित्व और व्यवहार के बारे में जानकारी मिली, जो कार्यक्रम को सामाजिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण रही । सर्वेक्षण और चयन प्रक्रिया के दौरान तत्परता की भावना दिखाई दी। संवेदनशीलता और वितरण के बाद के अंतर को पाटने के लिए अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता है । इस परियोजना में क्षमता निर्माण, जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन अभियान,और व्यापक निगरानी और मूल्यांकन शामिल रहा । वर्ष 2024-25 के अंतर्गत की गयी गतिविधि तथा उसके परिणाम निम्न प्रकार है :-

क्र०	गतिविधि	प्राप्त परिणाम
1-	सर्वेक्षण का आयोजन	❖ 1582 परिवारों का सर्वेक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया,
2-	एथेनाल पर आधारित गैस स्टोव के बारे में जागरूकता बठकों का	

	आयोजन	जिससे उनकी ऊर्जा उपयोग की आदतों और आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त हुई।
3-	एथेनाल पर आधारित गैस स्टोव का जलवायु परिवर्तन को लेकर संवेदीकरण	❖ प्रयागराज के बहादुरगंज विकास खंड में 12 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया, जो परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।
4-	एथेनाल पर आधारित गैस स्टोव हेतु 500-500 लाभार्थियों का चयन	❖ गोरखपुर के भटहट विकास खंड में 09 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया, जो परियोजना के विस्तार को दर्शाता है।
		❖ सर्वेक्षण में पाया गया कि 67% परिवार एलपीजी का उपयोग करते हैं, जबकि 33% परिवार अभी भी लकड़ी और अन्य ईंधन से खाना बनाते हैं। ❖ एथेनॉल पर आधारित गैस स्टोव के लिए 1000 परिवारों का चयन किया गया, जो स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। ❖ समुदाय आधारित बैठकों के माध्यम से लोगों को जलवायु केन्द्रित ईंधन के प्रति जागरूकता प्रदान की गई, जिससे उन्हें स्वच्छ ऊर्जा के महत्व और लाभों के बारे में जानकारी मिली।

3- <u>एच आई वी / एड्स रोकथाम कार्यक्रम:-</u>उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के सहयोग से एच आई वी / एड्स रोकथाम को लेकर कुल तीन परियोजनाओं का संचालन वर्ष 2024-25 के अंतर्गत किया गया, विवरण निम्नवत है:-

3.1 <u>लिंकवर्कर स्कीम:</u>- इस कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद कुशीनगर के अत्यधिक पलायन वाले 100 ग्राम पंचायतों में एच आई वी / एड्स की रोकथाम को लेकर विभिन प्रयास किया गया ।यह कार्यक्रम मुख्य रूप से पलायन प्रभावित परिवारों को एच आई वी / एड्स की रोकथाम को लेकर समर्पित है, वर्ष 2024-25 के अंतर्गत की गयी गतिविधि तथा उसके परिणाम निम्न प्रकार है :-

क्र०	गतिविधि	प्राप्त परिणाम
1-	अति जोखिमपूर्ण परिवार का सर्वेक्षण व सूचीबद्ध करना	❖ कुल 20458 अति जोखिमपूर्ण परिवार का सर्वेक्षण व सूचीबद्ध किया गया, जिसमें निम्न लोगों को सम्मिलित किया गया – ▪ IDUs-07 ▪ IDUs-7 ▪ 3-MSM- 10 ▪ 4-TG-8 ▪ 5- FSW-564 ▪ 6- PLHIV-225
2-	ग्राम स्तरीय सामुदायिक संगठन का निर्माण	
3-	ग्राम स्तरीय बैठकों का आयोजन	
4-	ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस में सहभागिता	
5-	समुदाय आधारित स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन	
6-	स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन	
7-	एडवोकेसी बैठकों का आयोजन	
8-	बेदभाव न्यूनीकरण गतिविधियाँ	
9-	मिड मिडिया गतिविधियाँ	
10-	पीएलएचआईवी नेटवर्क के साथ समन्वय और सहजीकरण	

- 7-ANC-1830
- 8-TB Patient-72
- 9-प्रवासी- 8849
- 10- ट्रकर - 88
- 11-other VP -8805

❖ 23 एडवोकेसी बैठकों का सफल आयोजन किया गया, जिससे जागरूकता और समर्थन में वृद्धि हुई।

❖ सभी पीएलएचआईवी (PLHIV) को एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (ART) से जोड़ा गया, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ।

❖ विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से 987 परिवारों को लाभान्वित किया गया, जिससे उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार आया।

3.लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम , महाराजगंज:-यह परियोजना जनपद-महराजगंज मे संचालित है। इस परियोजना के अनतर्गत कुल 400 महिला यौन कर्मी तथा 200 पुरूष यौन कर्मी का लक्ष्य निर्धारित था।लक्ष्य के सापेक्ष 584 महिला यौन कर्मी तथा 313 पुरूष यौन कर्मी के साथ हस्तक्षेप किया गया वर्ष 2024-25 के अंतर्गत की गयी गतिविधि तथा उसके परिणाम निम्न प्रकार है :-

क्र०	गतिविधि	प्राप्त परिणाम
1-	अति जोखिमपूर्ण परिवार का सर्वेक्षण व सूचीबद्ध करना	❖ 400 के लक्ष्य के सापेक्ष 584 महिला यौन कर्मियों की पहचान की गई।
2-	परामर्श सेवाएं	❖ 200 के लक्ष्य के सापेक्ष 313 पुरुष यौन कर्मियों की पहचान की गई।
3-	प्रत्येक 3 माह पर आर0एम0सी0 व प्रत्येक 6 माह पर एच0आई0वी0 की जाँच सुनिश्चित कराना	❖ 8 महिला यौन कर्मियों में एचआईवी पॉजिटिव पाया गया, जिनमें से 5 सक्रिय हैं।
4-	समुदाय आधारित स्क्रीनिंग	❖ 24 पुरुष यौन कर्मियों में एचआईवी पॉजिटिव पाया गया, जिनमें से 13 सक्रिय हैं।
5-	कण्डोम एवं ल्यूब्स वितरण	❖ सभी 32 एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों को एआरटी (एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी) से जोड़ा गया।
6-	स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन	❖ संक्रमण की जांच और पहचान सफलतापूर्वक की गई।
7-	कम्यूनिटी इवेण्ट	❖ अति जोखिम पूर्ण समूह के लोगों में संक्रमण से बचाव के लिए आचार और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन देखा गया।
8-	वन टू वन एवं समूह के साथ सम्पर्क	
9-	ड्राप इन सेनटर की सेवाए	

3.2 <u>लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम, गोरखपुर :-</u>यह परियोजना जनपद-गोरखपुर मे संचालित है। इस परियोजना के अनतर्गत कुल 400 महिला यौन कर्मी तथा 300 पुरूष यौन कर्मी तथा 250 ट्रांसजेंडर का लक्ष्य निर्धारित था।लक्ष्य के सापेक्ष 499 महिला यौन कर्मी तथा 354 पुरूष यौन कर्मी तथा 319 ट्रांसजेंडर के साथ हस्तक्षेप किया गया वर्ष 2024-25 के अंतर्गत की गयी गतिविधि तथा उसके परिणाम निम्न प्रकार है :-

क्र०	गतिविधि	प्राप्त परिणाम
1-	अति जोखिमपूर्ण परिवार का सर्वेक्षण व सूचीबद्ध करना	❖ 400 के लक्ष्य के सापेक्ष 499 महिला यौन कर्मियों की पहचान की गई। ❖ 300 के लक्ष्य के सापेक्ष 354 पुरुष यौन कर्मियों की पहचान की गई। ❖ 250 के लक्ष्य के सापेक्ष 319 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की पहचान की गई। ❖ 7 पुरुष यौन कर्मियों में एचआईवी पॉजिटिव पाया गया, जिनमें से सभी 7 सक्रिय हैं। ❖ सभी 7 एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों को एआरटी (एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी) से जोड़ा गया। ❖ संक्रमण की जांच और पहचान: सफलतापूर्वक की गई। ❖ सकारात्मक परिवर्तन: अति जोखिम पूर्ण समूह के लोगों में संक्रमण से बचाव के लिए आचार और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन देखा गया।
2-	परामर्श सेवाएं	
3-	प्रत्येक 3 माह पर आर0एम0सी0 व प्रत्येक 6 माह पर एच0आई0वी0 की जाँच सुनिश्चित कराना	
4-	समुदाय आधारित स्क्रीनिंग	
5-	कण्डोम एवं ल्यूब्स वितरण	
6-	स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन	
7-	कम्यूनिटी इवेण्ट	
8-	वन टू वन एवं समूह के साथ सम्पर्क	
9-	ड्राप इन सेनटर की सेवाए	

4- <u>किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम</u>:- इस कार्यक्रम के अंतर्गत सदर विकास खंड के चयनित ग्राम पंचायतों में किशोरियों से सम्बंधित विभिन्न मुद्दों , जेंडर , महिला हिंसा , साइबर क्राइम पर विभिन्न प्रकार का जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के अंतर्गत किशोरियों से सम्बंधित विभिन्न मुद्दों पर संवेदित करते हुए समुदाय को जागरूक करने का कार्य किया गया.इस कार्यक्रम के अंतर्गत बाल विवाह, जेंडर भेदभाव , महिला हिंसा को केंद्र में रखते हुए सरकार द्वारा चलाये जा रहे, टोल फ्री नम्बर 1090, 1098,112 आदि पर विशेष जानकारी प्रदान किया गया।इस कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न गतिविधिया तथा उसका परिणाम इस प्रकार रहा :-

क्र०	गतिविधि	प्राप्त परिणाम
1-	थिएटर ऑफ़ द आप्रेस्ड टीम द्वारा मंचन	❖ 30 ग्राम पंचायतों में लगभग 3000 लोगों के बीच किशोरियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर नाटक (थिएटर ऑफ द ऑप्रेस्ड) का
2-	साइबर क्राइम पर प्रशिक्षण का आयोजन	
3-	अभिसरण कार्यशाला का आयोजन	

	मंचन किया गया, जिससे जागरूकता में वृद्धि हुई। ❖ 35 किशोरियों को साइबर क्राइम विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे उन्हें ऑनलाइन सुरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी मिली। ❖ 106 प्रतिभागियों के साथ अभिसरण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिससे विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय और सहयोग बढ़ा। ❖ सदर विकास खंड के किशोरियों और अभिभावकों में बाल विवाह, जेंडर भेदभाव, महिला हिंसा आदि मुद्दों पर जागरूकता में वृद्धि हुई, जिससे समुदाय में सकारात्मक परिवर्तन आया।

5- <u>युवा विकास कार्यक्रम</u>:- यह कार्यक्रम यू. पी. यूथ परियोजना के नाम से जनपद महाराजगंज के सदर विकास खंड के 05 ग्राम पंचायतों में 200 युवाओं के साथ संवैधानिक मूल्यों पर कार्य कर रहा है ।इस कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न गतिविधि तथा उसके परिणाम निम्न प्रकार है :-

क्र०	गतिविधि	प्राप्त परिणाम
1-	युवाओं का सर्वेक्षण व सूचीबद्ध करना	❖ 1451 युवा परिवारों का सर्वेक्षण गुगल फॉर्म के माध्यम से किया गया, जिसमें 715 पुरुष और 736 महिला परिवार शामिल थे। ❖ कुल 8 युवा समूहों का गठन किया गया और 201 युवाओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से इन समूहों का सदस्य बनाया गया। ❖ युवाओं के लिए संवैधानिक मूल्यों पर आधारित प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करने की तैयारी की गई। ❖ पंचायती राज प्रतिनिधियों और अन्य ग्राम स्तरीय हितधारकों के साथ समन्वय और बैठक कर परियोजना के उद्देश्यों से परिचित कराया गया। ❖ अभिभावकों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिससे परियोजना के उद्देश्यों और गतिविधियों के बारे में उन्हें जानकारी दी जा सके।
2-	ग्राम स्तरीय बैठकों का आयोजन	
3-	पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक	
4-	युवा समूह का गठन	
5-	युवाओं के साथ बैठक	

6- <u>संस्थागत विकास व अन्य कार्यक्रम</u>:- इस कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्थान द्वारा संस्थागत विकास को लेकर किया गया।संस्थान द्वारा इस गतिविधि के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम किये गये:-

राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन:- संस्थान द्वारा राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन किया गया इसके अन्तर्गत समस्त चारो कार्यालयों पर 15 अगस्त अर्थात् स्वतंत्रता दिवस व 26 जनवरी अर्थात गणतंत्र दिवस के अवसर ध्वजारोण व मिष्ठान्न वितरण का कार्यक्रम किया गया।साथ ही संस्थान के प्रबन्ध तंत्र द्वारा सहभागिता कर संस्थान की उपलब्धियों व समस्याओं को जाना गया तथा संस्थान के जिन को देश हित में प्राप्त करने के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया गया।

संस्थान की आगामी रणनीति:-संस्थान अपने विजन की प्राप्ति को लेकर निम्नलिखित प्रयास करेगी:-

- ❖ संस्थान अपने समस्त कार्यक्रम महिलाओं, युवाओं एवं अति जोखिमपूर्ण समूह को केन्द्र में रखकर ही करेगी।
- ❖ संस्थान द्वारा अपने किये गये कार्यों को एक माडल बनाकर कार्यक्रम का स्वरूप प्रदान करेगी।
- ❖ अपने कार्यों का विस्तार गोरखपुर-मण्डल में करने हेतु प्रयास करेगी।
- ❖ संस्थान को क्षमता विकास हेतु प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में विकसित करने हेतु प्रयास किया जायेगा।
- ❖ संस्थान में आजीविका के मुद्दे पर कार्य करने हेतु एक सशक्त माडल का विकास किया जायेगा।
- ❖ संस्थान में युवा विकास को लेकर एक सशक्त माडल विकसित किया जायेगा।

प्रबंधकारिणी समिति का विवरण

क्र.	पदाधिकारी/सदस्य	पद
1.	श्रीमती उमा त्रिपाठी	अध्यक्ष
2.	डा. दयानंद	उपाध्यक्ष
3.	सुनील कुमार पाण्डेय	सचिव
4.	प्रद्युम्न पाठक	कार्यकारी सचिव
5.	सुधीर कुमार	कोषाध्यक्ष
6.	विजय लक्ष्मी	सदस्य
7.	मीरा देवी	सदस्य

(सुनील कुमार पाण्डेय)

सचिव

सृष्टि सेवा संस्थान ,उ.प्र., भारत